मय्यत पर बयान करके रोना (नोहा ख्वानी करना)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

नोट : नीचे दी गई तमाम रिवायते, हदीष का खुलासा है.

बयान करके रोने को नोहा ख्वानी कहते हे.

१} तिर्मिज़ी | रावी अबू मूसा अशअरी रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - जो आदमी मरता हे और उस पर रोते हुए कोई आदमी कहता हे हाय तू सरदार था, इस किस्म के गुणों और खूबियों को बयान कर के रोता हे तो उस आदमी के साथ अल्लाह तआला दो फरिश्ते मुकर्रर फरमाते हे जो उसे मारते और कहते हे कि क्या तुम गुणों और खूबियों वाले थे?

वज़ाहत- मरने वाला अगर अपनी ज़िन्दगी मे बयान करके रोने को पसन्द करता था तो इस सूरत मे उसे भी अज़ाब होगा, और अगर वह बयान करके रोने करने को नापसन्द समझता था और मना भी करता था तो उस सूरत मे मरने वाले को अज़ाब नहीं होगा.

२} तिर्मिज़ी और इब्ने माजा | रावी अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जिस आदमी के तीन नाबालिग बच्चे मर गये तो वे उसके लिये दोज़ख से बचाव का सामान होगे, अबूज़र (रदी) ने कहा कि मेरे दो बच्चे मर गये हे, आपﷺ ने फरमाया दो भी दोज़ख से बचाव का सामान होगे, उबई बिन कअब (रदी) ने कहा कि मेरा एक बच्चा मर गया हे, आपﷺ ने फरमाया एक भी दोज़ख से बचाव का सामान होगा.

३} तिर्मिज़ी | रावी अबू मूसा अशअरी रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - जब किसी आदमी का बच्चा मर जाता हे तो अल्लाह तआला अपने फरिश्तों से मुखातिब होकर फरमाते हे क्या तुमने मेरे बन्दे के बच्चे की रूह को कब्ज़ किया हे? वे हां मे जवाब देते हे, अल्लाह तआला फरमाते हे क्या तुमने उसके दिल के टुकडे को कब्ज़ किया हे? वे इकरार करते हे, फिर अल्लाह तआला पूछते हे कि मेरे बन्दे ने क्या कहा? वे जवाब देते हे कि उसने आपकी तारीफ व सना की और "इन्ना लिल्लाहि व इन्ना इलैहि राजिउन" के कलिमात दोहराये, अल्लाह तआला हुक्म देंगे मेरे बन्दे के लिये जन्नत मे एक घर तामीर करो

और उसका नाम "बैतुल-हम्द" रखो.

४} अबू दाउद, तिर्मिज़ी और इब्ने माजा। रावी अब्दुल्लाह बिन जाफर रदी.

जब मेरे वालिद जाफर की मौत की खबर पहुंची तो रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - जाफर की औलाद यानी घर वालो के लिये खाना तैयार करो, इसलिये कि वे ऐसे हादसे से दोचार हुए हे जिसकी वजह से वे खाना तैयार नहीं कर सकते.

५} इब्ने माजा। रावी अबू उमामा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - अल्लाह फरमाता हे ऐ आदम के बेटे! अगर तुम मुसीबत पेश आने पर सबर करो और मुझसे सवाब तलब करो तो मे तुम्हारे लिये जन्नत मे दाखिले से कम किसी सवाब को पसन्द ही नहीं करूंगा.